NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

#### Two-day workshop on 'Gaudhan Vikas, Atmanirbhar Kisan Abhiyan'

Newspaper: Amar Ujala Date: 07-05-2022

कार्यक्रम

हकेंविवि में दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ, उपायुक्त हुए शामिल

## मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही : उपायुक्त

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियागा केंद्रोप विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला, गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुआरंभ हुआ। नव्याचार एवं उद्भवन केंद्र हारा उन्मत भारत अधियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों के लिए आयोजित कार्यशाला में विश्वाट अतिधि के रूप में जिला उपायुक्त श्याम लाल पुनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिधि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्री. टेकेश्यर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गोधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है।

उपायुक्त श्याम लाल पुनिया ने कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से



कार्यशाला में उपायुक्त श्याम लाल पुनिया को स्मृति चिहन भेंट करते कुलपति। साह

गोधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि मनुष्य की मूल प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल प्रयुक्त की एरिकल्पना की सकार करने के लिए मिलकर प्रयूक्त करने होंगे। उपायुक्त ने आयोजन में सम्मिला कृषि विज्ञान केंद्र,

महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्ववषक रमेश पादव, नाबाई के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी अग्रभार व्यवस करते हुए कहा कि उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होंगा।

एसडीएम दिनेश कुमार ने कहा कि आधारित वस्तुओं की प्रदर्शनी भी भग्रतल पर जनमानस से जुड़े किसी भी आयोजन स्थल पर लगाई गई है। विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील

जिला प्रशासन अंजाम तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आयोजन में समिलित हिसार की लाइवा गोशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, रजनीश, रविंद्र का आभार व्यवत किया। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सनीता बीवास्तव ने कार्यशाला के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से गोधन विकास के विभिन्न आयामी पर चर्चा होगी। साथ ही साथ कषि क्षेत्र में जारी बदलावों पर भी विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण लाडवा गोसाला है जो कि अपने कुशल प्रबंधन के लिए न सिर्फ भारत बल्कि पशिया के स्तर पर अपनी एक अलग पहचान रखती है। कार्यक्रम में गोधन आधारित वस्तुओं की प्रदर्शनी भी आयोजन स्थल पर लगाई गई है।

कुमार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के र्योगदान का उल्लेख करते हुए किसानी के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि किसान विभिन्न चुनीतियों के बावजूद मानव जाति के कल्यांग हेतु निरंतर प्रथासरत है। और उनके सहयोग के लिए विश्वविद्यालय इस तरह के आयोजन भविष्य में भी करता रहेगा। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश यादव, आरपीएस ग्रुप के प्रतिनिधि डॉ. महेश यदव, लाडवा गोशाला के प्रबंधक मोहन शर्मा ने प्रतिभागियों को कृषि व गोधन विकास के मोर्चे पर तकनीकी बदलावों के साथ ण्यवहारिक पक्षों से भी अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान मंच का मंचालन नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने किया और धन्यवाद जापन शिक्षा पीठ के सहआचार्य डॉ. दिनेश चहल ने दिया।

NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

**Newspaper: Dainik Bhaskar** Date: 07-05-2022

## हकेंवि में गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी व दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

श्रीरकार केंद्रीय विकासिकारण में शहरता को छै दिवसीन प्रतिस्था कार्यशाल व गोधन आपतित उत्पादी को प्रदर्शनी का गुधारंथ हुआ। नवाचार एवं उद्धापन बेंद्र द्वारा तमा पारत अधियान के तहत विश्वविद्यालय के गेद्र लिए एवंद्रों के किसानों हेतु आयोजित इस कार्यशाल में ब्रिकेट ओर्डीय के रूप में दिश्व उत्तर्भक उत्तम लाग चूनिया थ रामहोरम दिनेता कुमा शामिल हा। इस बार्वक्रम में मुखा अविधि व विश्वविद्याला के कुलबीत में. टेकेंबर बुमार ने उद्यादन सब को संबंधित करते हुए कहा कि योधन पुरतन करता से ही जीवन में संसूचन कर परिवारक रहा है। उन्होंने आत्मनिमेर भारत के निर्माण हेनू इस तथा के आयोजनों को



प्रतिक्षण कार्यशाला में उपायुक्त को स्मृति पिक्क मेंट करते कुलावीत प्रो. टॉक्स्पर।

के चेत्र में विभागों के शिक्ष अध्ययक उपयुक्त रायम स्वता पुरिचा ने कार्यकार के अस्तरकार को बहु। पान मंभव होगा जो कि आधीरन के लिए विवादीवारण कुरणीत अस्पनियोग गोत, तिकी, राजन से देश के स्वता का आधीरकों का आधार त्यकर किया और महत्त्वपूर्ण बताया और बजा कि अवस्था भी। को प्रस्त करने के लिए अन्यत अवस्थक। करत कि अवस्थ ही इस उरत के प्रथारों से

इसके माध्यम से गोधन विकास और क्षीत्र की इस मीचे पर विकार अविधि किला

मदद विशेषीः स्मृत्य की मूल प्रवृति प्रवृति में जन्मक की वर्षी है और वह प्रवृति में प्रेम करता है। जिसके परियम स्वरूप जरूता है कि अपनी सकत्वय स्थापित कर मिलकर कि जर्मना अस्त्रन के लिए को किया जाए। अनीन के लियान के लिए को किया जाए। अनीन केचन लियाज को बीक्त डिम्मेंड के बताते हुए कहा कि हमी धामा लाउना वैशाल का उद्याग उपस्थित है, जिसमें मीहकूत हम भी मीहाजाते को समुद्ध बना मकते हैं। जिला उपरावश ने अपने पंत्रीधन में गोपन विकास च बुर्वि के क्षेत्र में उपलेखनीय परिणामें के लिए कृषि व गोपंतर मेंहरिनक तथ कियान के बीच समन्तन स्थापित करने

पीकारपा को स्थार करने के लिए पिलार जानकर एवं उद्धान केंद्र की संबोधक जिल्लानियालय के रोड़ियक ऑफराता हो. स्थार करने होंगे। अपने संबोधन में दिल्ल हो. सूनेता खीवमत्त्व ने कार्यकाल के रिरोण कुमार ने कहा कि से कृषि निकास में

रफपुका ने अयोजन में मांग्रिका कृषि विद्वार केंद्र महेदातु के बरिट सम्मानक रमेश नाटन, नकार के प्रतिनीचनों महिल किया क्रियाच का या जगार ज्यान कर करा क्रू क्यां कि अक्षण में उनके जन तरफ क्रियांगियों की मान क्षेत्राः एवं प्रज्ञ में एमसीह्य दिनेत बुमार ने कहा कि प्रश्रम रा जनमाना में जुड़े मिली थी निक्य में विवासीस्तान के प्रश्रा में तिक्त प्राच्यान अंत्रम का पहुंचाने के हिंदा स्टेश राग है। प्रजाने अयोजन में महिनीका क्रिया की लाह्य पोताल के प्रतिकियों मोधन समी, राजीत व विदे का अभार व्यक्त करते हुए बता कि अवाय ही उनके मौद्रत प अरुपंप जोर दिया। का ताम स्थानीय नेवंत्रत्व संचालको की हम उन्होंने कहा कि सार्टनेसल प्रमुपर की कार्याला के माध्यम से झान हो सकेता।

उद्देश्य का उल्लेख काते हुए कहा कि इस क्षेत्र में जिला कार्यल हैं और हरियाण केंद्रीय कार्यमाल के पालमा के गरेजन विकास के विद्यालिकाला के पालमा के वे प्रकारित विकास अवस्थि पर सन्ते होंगी। शब्द ही साथ कृतकों मेरे बेहरों के लिए इसरियन प्रथास विकास अनुवादी पर चन्द्री होती। रहका ही प्रकार कृषि क्षेत्र में जाने बदलायों पर भी विशेषक्षी के माध्यम से जीतीका किया जाएंगा कर्माताल कर मुख्य अक्रमंग लड्डा गेराल है जो कि अभी बुगल प्रकंपन के लिए न रिपर्न भारत सम्बद्ध प्रदेश्य के स्तर पर अपने एक अरुग प्राचन गढ़ते प्रदर्शने भी आयोजन मध्य पर स्थाती मह तत नवाधान न सम्मान्ता स्थान वा जवान च जावान स्थान के जावान स्थान स्थान स्थान के जावान स्थान स्य

कुमार्क को बहुरत के लिए इस्सीपन प्रथम करेंचे। कृषि विद्यान मेंद्र के रामेष्ट प्रदान, असावीदम सुत्र के प्रतिनिध डॉ. प्योदा प्रदान व साइक पीताला के मिनता मोहन हानी ने अपने मंत्रीयन के पान्यम से प्रतिपालियों को कृषि व गोमन निकास के प्रोची या तकातीकी बदलावी के साथ न्याव्यक्तिक पत्ती से भी अक्टा कराया। बटफिल के टीरान गंध का मंत्रापन नकावर इसे उद्धान केंद्र के पुर्वेश अवकल ने किया और धन्यबाट इंपन विश्वा पेठ के सहजानार्थ ही दिना जबस ने दिया। आयोजन में विस्वविद्यालय को विश्वित पीठों के अधिरदात विश्वनाच्या। शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों स्वीत तार, पाली, भूगतर, धोली और खुडान्य गांनी के प्रतितिक्ष राजीवन की।

NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

**Newspaper: Dainik Jagran** Date: 07-05-2022

## गोधन विकास, आत्मनिर्भर किसान अभियान शुरू

हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ, उपायुक्त पूनिया व एसडीएम दिनेश विशिष्ट अतिथि

संबद रहवोगी, महेंद्रगढ: हरियाणा केंब्रीय विश्वविद्यालय महेंब्रगढ़ में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यणाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वार उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवीं के किसानों के लिए आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ट अतिष्ठि के रूप में जिला उपायक्त श्याम लाल पुनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हुए।

इस कार्वक्रम में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टैकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबंधित करते हुए कहा कि गोधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्व ही इसके माध्यम से गोधन विकास और कृषि के क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरूकता को बढ़ा पाना संघव होगा जो कि आत्मनिर्भर गाँव, जिले, राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जिला उपायक्त श्याम लाल पनिया ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय



रकेंदि में आयोजित दो दिवसीव प्रशिक्षण की संबोधित करते उपायुक्त श्वाम ताल पूनिया ● सी. संस्था

विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलंगी। उपायुक्त ने कहा कि मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से प्रेम करता है।

उन्होंने गोधन विकास को नैतिक जिम्मेवारी बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाहवा गोशाला का उदाहरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गोशालाओं को समृद्ध बना सकते हैं। जिला उपायुक्त में आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ के वरिष्ठ समन्वयक रमेश बादव. नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विधिन्न कुलपति व आयोजकों का आधार विशेषज्ञों का भी आधार व्यवत करते ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य व्यवत किया। उन्होंने कहा कि अवस्य हुए कहा कि अवस्य ही उनके ज्ञान आकर्षण लाहवा गोशाला है जो

ही इस तरह के प्रयासों से गोधन के का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। एसडीएम दिनेश कुमार ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जहे किसी भी विषय में विश्वविद्यालय जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से के प्रवास को जिला प्रशासन अंजाम तक पहुँचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आयोजन में सम्मिलित हिसार की लाडवा गोशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, रजनीश व रविंद्र का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके माठल व अनुभव का लाध स्थानीय गोंगाला संचालकों को रस कार्यशाला के माध्यम से पाप्त हो सकेगा। नवाचार एवं उद्धवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव



दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में उपायुक्त को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो . टंकेश्वर कमार • सी. संस्था

कि अपने कुशल प्रबंधन के लिए न के प्रतिनिधि द्य. महेश यादव व सिर्फ भारत बल्कि एशिया के स्तर पर अपनी एक अलग पहचान रखती है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने अपने संबोधन में भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के बोगदान का उल्लेख करते हुए किसानों के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि वे कृषि विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत हैं और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माध्यम से वं स्थानीय कृषकों की बेहतरी के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश बादव, आरपीएस ग्रुप में उपस्थित रहे।

लाहवा गोशाला के मैनेजर मोहन शर्मा ने अपने संबोधन के माध्यम से प्रतिभागियों को कृषि व गोधन विकास के मोर्चे पर तकनीकी बदलावों के साब व्यावहारिक पक्षों से भी अवगत करावा।

कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने और धन्यवाद ज्ञापन द्य, दिनेश चहल ने दिया। आयोजन में विश्वविद्यालय को विधिन्न पीनों के अधिष्ठात, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों सहित जांट, पाली, भुरजट, धोली और खुद्धाना गांवों के प्रतिनिधि भारी संख्वा

NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

**Newspaper: Harbhoomi** Date: 07-05-2022

# हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ गोधन विकास, आत्म

# कसान अभियान का

उपायवत श्याम लाल पनिया व एसडीएम दिनेश कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में हुए शामिल

हरिमुमि न्यूज 🕪 महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों हेत् आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपायक्त श्याम लाल पुनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हए। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गीधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचालक रहा है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेत् इस तरह के आयोजनी को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से गौधन



विकास और कृषि के क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरूकता को बढ़ा पाना संभव होगा जो कि आत्मनिर्भर गांव, जिले. राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। कलपति ने स्थानीय प्रशासन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थित में कहा कि उन्हें आशा है कि यह प्रयास इस कार्यशाला से आगे बढ़कर धरातल पर उल्लेखनीय परिणामों को प्राप्त करेगा। विशिष्ट अतिथि उपायक्त श्याम लाल पुनिया ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आयोजकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य

#### गोशालाओं को समुद्ध बनाने का आह्वान

उन्होंने गौधन विकास को नैतिक जिम्मेदारों बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाइवा गौशाला का उदारुरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गौशालाओं को समृद्ध बना सकते हैं। जिला उपायक्त ने अपने संबोधन में गौधन विकास व कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणामों के लिए कृषि व नौवंश वैज्ञानिक तथा किसान के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल प्रयुवर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। अपने संबोधन में जिला उपायुक्त ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्यवयक रमेश यादव. नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विमिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके ब्रान का लाम प्रतिमातियों को प्राप्त होगा। इसी कम में एसडीएम दिनेश ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को जिला प्रशासन के साथ रहेगा।

संबोधन में कहा कि मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है

ही इस तरह के प्रयासों से गौधन के और वह प्रकृति से प्रेम करता है, विकास व किसानों के प्रशिक्षण में जिसके परिणामस्वरूप जरूरत है मदद मिलेगी। उन्होंने अपने कि आपसी समन्वय स्थापित कर मिलकर प्रकृति के विकास के लिए कार्य किया जाए।

NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

Newspaper: Punjab Kesari Date: 07-05-2022

## गौधन विकास, आत्मनिर्भर किसान अभियान की शुरूआत

# सस्टेनेबल फ्यूचर की <mark>परिकल्पना</mark> को साकार करनेकेलिए मिलकर करनेहोंगेप्रयास: उपायुक्त

#### गौधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायकः प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़, 6 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंबि), महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ।

नवाचार एवं उदभवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों हेतु आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया व एस.डी.एम. दिनेश कुमार शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथिव विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गौधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है।

उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से गौधन विकास और कृषिके क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरू कता को बढ़ा पाना संभव होगा जो कि आत्मनिर्भर गांव, जिले, राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया



दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते उपायुक्त श्याम लाल पुनिया।

ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आयोजकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से गौधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रम करता है, जिसके परिणाम स्वरूप जरूरत है कि आपसी समन्वय स्थापित कर मिलकर प्रकृति के विकास के लिए कार्य किया जाए।

उन्होंने गौधन विकास को नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाडवा गौशाला का उदाहरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गौशालाओं को समुद्ध बना सकते हैं।

जिला उपायुक्त ने अपने संबोधन में गौधन विकास व कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणामों के लिए

## गौधन पर आधारित वस्तुओं की लगाई प्रदर्शनी

एस .डी.एम. दिनेश कुमार ने कहाँ कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को जिला प्रशासन अंजाम तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आयोजन में सम्मिलित हिसार की लाडवा गौशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, रजनीश व रविंद्र का आभार द्यवत किया।

नवाचार एवं उदभवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण देते कार्य शाला के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से गौधन विकास के विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी। साथ ही साथ कृषि क्षेत्र में जारी बदलावों पर भी विशेषहों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यक्रम में गौधन आधारित वस्तुओं की प्रदर्शनी भी आयोजन स्थल पर लगाई गई है।

कृषि व गौवंश वैज्ञानिक तथा किसान के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल फ्यूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे।

अपने संबोधन में जिला उपायुक्त

ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्वयक रमेश यादव, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवस्य ही उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा।

#### किसान विभिन्न चुनौतियों के बावजूद मानव जाति के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनीलकुमार नेअपनेसंबोधनमें भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान का उल्लेख करते हुए किसानों के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि किसान विभिन्न चुनौतियों के बावजूद मानव जाति के कल्याण हेतु निस्तर प्रयासरत है और उनके सहयोग के लिए विश्वविद्यालय इस तरह के अयोजन भविष्य में भी करता रहेगा। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश यादव, आर.पी.एस. ग्रुप के प्रतिनिध डॉ. महेश यादव व लाड्या गौशाला के मैनेजर मोहन शर्मा नेअपने संबोधन के मध्यम से प्रतिभागियों को कृषि व गौधन विकास के मोर्चे पर तक्कनीकी बदलावों के साथव्यावहारिक पक्षों से भी अवगत कराया।

कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन नवाचार एवं उदमवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के सह-आचार्य डॉ. दिनेश चहल ने दिया। आयोजन में विश्व विद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठात, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों सहितजांट पाली, भुरजट, धोली और खुडाना गांवों के प्रतिनिधि भारी संख्या में उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

Newspaper: Dainik Jagran Date: 08-05-2022

# आत्मनिर्भर भारत के लिए अन्नदाता का आत्मनिर्भर होना जरूरी : ओपी यादव

संबाद सहवोगी, महेंद्रगढः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आरपीएस ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक निदेशक डा. ओपी यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आरपी तलसीयान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कलपति प्रो. टंकेश्वर कमार के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता

कार्यशाला के समापन सन्न में मुख्य अतिथि डा. ओपी यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपित प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन किसानों के आत्मिनर्भरता की पहल

हकें वि में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते डा. ओपी ग्रद्ध से संस्था

प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की प्रशंसा की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. आरपी तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साब-साथ किसानों को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्धवन केंद्र की संयोजक प्रो. सनीता श्रीवास्तव ने कहा कि कुलपित के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोचें पर भी कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया।

कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चौहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सिंहत मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान, विभिन्न गांवों के सरपंच, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

Newspaper: Haribhoomi Date: 08-05-2022

## आत्मनिर्मर भारत के लिए अन्नदाता का आत्मनिर्मर होना जरूरी: यादव

 हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

### हरिभूमि न्यूज 🕪 महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विवि में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विवि के नवाचार एवं उद्धवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विवि द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आरपीएस ऑफ इंस्टीट्यूशन्स संस्थापक निदेशक डॉ. ओपी यादव मख्य अतिथि तथा दिल्ली विवि दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आरपी तुलसीयान विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के



म**हेंद्रगढ़।** प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते डॉ.ओपी यादव। कोटो: हरिभूमि

दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

कार्यशाला के समापन सत्र के मुख्यातिथि डॉ. ओपी यादव ने कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहुत जरूरी है।

NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) Date: 08-05-2022

# अन्नदाता का आत्मनिर्मर होना जरूरी: यादव

#### हकेवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

महेंद्रगढ़, प्रवीण कुमार ( पंजाब केसरी ) :हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दसरे दिन आरपीएस ग्रप ऑफ इंस्टीट्यशन्स के संस्थापक निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आर.पी. तुलसीयान विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

कार्यशाला के समापन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. ओ.पी. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत को 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है इसलिए



भारत को आत्मिनर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मिनर्भर बनाना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा गोंद लिए गए गांवों को आत्मिनर्भर बनाने के लिए शुरु की गई इस पहल का लाभ अवश्य ही किसानों को मिलेगा। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपित प्रो. टेंकेश्वर कुमार, कुलपित प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की प्रश्ंासा की। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि प्रो. आर.पी. तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मिनर्भर बनाने के लिए कार्य

कर रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों को विस्तार से प्रतिभागियों के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सनीता

श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कुलपित महोदय के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में किसान हितैषी शोध व अनुसंधान कार्य किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चौहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान, विभिन्न गांवों के सरपंच, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

Newspaper: Punjab Kesari Date: 08-05-2022

## देश की <mark>अर्थव्यवस्था</mark> में किसानों का बहुत अहम योगदानः ओ.पी. यादव

#### हकेविमें २ दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

महेंद्रगढ़, 7 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को 2 दिवसीय कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ।

विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आर. पी. एस. प्रप् ऑफ इंस्टीच्यूशन्स के संस्थापक निदेशक डॉ. ओ. पी. यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आर. पी. तुलसीयान विशिष्ट अतिथिक रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

कार्येशाला के समापन सत्र के मुख्यातिथि डॉ. ओ.पी. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि



प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते प्रो. आर.पी. तलसीयान।

द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहाहै, इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहुत जरूरी है।

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू की गई इस पहल का लाभ अवश्य ही किसानों को मिलेगा। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. आर.पी. तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है।

#### विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनानेकी दिशामें प्रयासरत: कुलसचिव

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों को विस्तार से प्रतिभागियों के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समुद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कुलपित महोदय के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में किसान हितीधी शोध व अनुसंधान कार्य किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चौहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसरसिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान, विभिन्न गांवों के सरपंच, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

Newspaper: Amar Ujala Date: 09-05-2022

कार्यशाला

#### हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कार्यशाला का समापन

## किसानों का आत्मनिर्भर बनना जरुरी: ओपी यादव

#### संवाद न्यूज एजेंसी

महेंदगढ़। हरियाणा केंदीय विश्वविद्यालय में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विवि के नवाचार एवं उद्भव केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया था। समापन अवसर पर आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक निदेशक डॉ. ओपी यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आरपी तुलसीयान विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डॉ. ओपी यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहत



कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। संबाद

जरूरी है। विवि द्वारा गोद लिए गए गांवों को आत्मिछिनर्भर बनाने के लिए शुरु की गई इस पहल का लाभ अवश्य ही किसानों को मिलेगा। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपित प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की सराहना की।

विशिष्ठ अतिथि प्रो. आरपी तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मिन भेर बनाने के लिए कार्य कर रहा है। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कुलपित के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चैहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान और शोधार्थी उपस्थित रहे।